

DEWAN ABDUL GANI COLLEGE

[A State Government of West Bengal-Aided Degree College]

Estd. 1994

Affiliated to the University of Gour Banga, Malda

College Road, Harirampur, Dakshin Dinajpur West Bengal - 733125 India

Email: dagc1994@gmail.com

DEWAN ABDUL GANI COLLEGE

P.O-HARIRAMPUR, DIST.-DAKDHIN DINAJPUR

This is to notify that the following students have completed their Environmental studies (Paper code-AEC-1) project work as per CBCS syllabus of University of Gour Banga. Some samples of Environmental studies project work are given below:



PROJECT REPORT ON POND ECOSYSTEM

DEWAN ABDUL GANI COLLEGE

Harirampur, Dakshin Dinajpur

Submitted by

NAME : ARPITA PARVIN

ROLL NO : 208 (Honowis)

REG NO : 07/-12/11-0142-22

SUBJECT : GEOGRAPHY

Under The Supervision of: Dr Md Ismail. Assistant Professor in Geography

January, 2023

Department of Environmental Study

Dewan Abdul Gani College, Harirampur

Dist Dakshin Dinajpur, 733125

পুরুরের বাস্ত্তজ (Pond Ecosystem)

ভূমিকা:

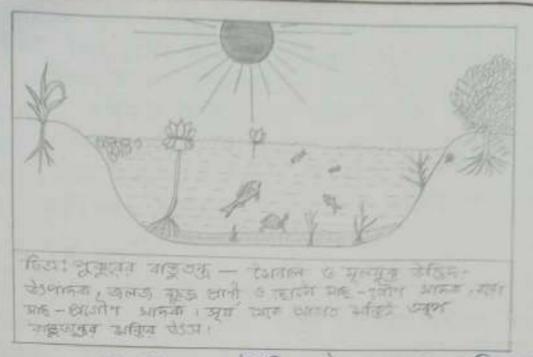
अकु (त्रव वाष्ट्रण अक्णाक प्राणा प्राण्य मिन् । किं के अकु (त्रव अल आवर्जमा निस्माम, अवापि लाभूय प्रान, काला काला, में माना मिन विमान यामामिक आसाम प्रदूषित माल श्रमात्व विमान वामामिक आसाम प्रदूषित माल श्रमात्व विमान वामामिक आसाम प्रदूषित काला श्रमामा वाम्रण वामामिक प्रदूषित अकु जिन वामामा वाम्रण वामामिक प्रदूषित वाम्रण अवाप्यमा नमे प्राम् । अजनारे अनु (वन वाम्रण अपित्माम अवाप्यमा अणान जान्यी।

তথ্য अभ्श्रम ७ उत्तालामाः आद्यापम् कालिएम् आह्य क्वाकि चित्रके न्यामा आह्मक प्रक्रम् । अञ्चलिक यामा अकि जलप्रस्म । आह्मक लिएक्स अर्थे प्रस्कृतिक अव्हास् विश्व गुक्यक् कार्यम् । आश्रि १५ जानूमानि २०२३ - ७ जालपुतुत् घारे अभाजनीम नामा जमा अगाउँ माण्डाए कात लिए ल्टे। भ्राजिएकिन ५६ जार्मात पुत्रत्व माछ ७ जन आश्रिय कानि । कालाज कित्व अद्या मार्ग एनाण्याम ७ जाना यद्धनाजिन अराम्जाम (अड्रानि विद्धमा कानि । विस्तान अजीत अत्याद्धान जना मानित्व।-विमान जारी । अर्थाभना , वरे , भ्रामाजिका ७ रेकेवितल्ले अराम्

ज्या विस्ध्रमाः

मूक्त्वं वाष्ट्रव्ह अकृष्ण (का प्याप् वालवं वाष्ट्रव्ह । जशानवावं व्रष्ट डेलामानश्रु लिवं आश्री विमिष्ट खिलिषे वजाग्र आष्ट्र — आंद्रव लमार्थ , व्रिव लमार्थ व व्हिण्ड डेलामान । अमीव डेलामान प्रियाव प्राह्मां व लवा डेलामान । अमीव डेलामान प्रियाव प्राह्मां वे लवा । आधिक शामक प्रियाव प्रक्राव (मधा (डाल । आधिक शामक प्रियाव विद्वित्र काश्रुक, स्मिवला मार्घ, काण्या मार्घ अर्थि एड्मा एडाल । विजीम आवित्र भामक विद्याव एलाम काल मार्घ व व्याप्तका जिल्ड लिंड्सा प्रजीम आवित्र भामक विद्याव प्रमास एम्बा प्रजीम आवित्र भामक विद्याव जाल जामक आधी वाला अविद्याविक (तरे ।

श्रुक्त आ॰लश्न वाजिकाएत वाह्न (थ्रायः जान्य भावनाम , ७०६७ २७ हि भविवादिक आसूम अप्रे भ्रिक्स्त्वे जला स्त्र स्त्रात काद्वत , आस्त्र आश्री ७ अवादि भिद्याद्वे स्नात काद्वत ।



পুরুরের রাজুতান্ত্রিক ও মৌলিকা উপকরণগুলো নিম্মহুদ; কা, তাজৈক পদার্থা—

प्रश्नि अरिजय ७ रिजय (च्रांडा व्यथ्म जल)
अभिक्षित , कार्यम-अप्रे-अखागेर , मारे प्रेगांडन ,
च्यानिकान , कार्यम-अप्रे-अखागेर , मारे प्रेगांडन ,
च्यानिकान , कार्गलिन माम , अगामिता अगामित अर्धा माम , अगामिता अगामित अर्धा माम , अगामिता अगामित अर्धा माम , जाम कार्य का

भ. डेडलावक जीवप्रस्टः प्रकार्यक्रिक्त डेडलावक जल (ज्या थाएक। प्राथ्यन डेस्डिन लाकिकेन असमान अवन्याम जलक जन्म कृतिक क्या। अलव अवलव डेडलावक जल उन्निक्त प्रमान अर्जन अर्जालाक लिकाइ भारत प्र अकल अवहलारे जीवनच्या अस्त्र करत। अर्जन उ रूरे जलाइम् का स्राम्य — जल जल्म देस्ट्रिम अर्लाजा अर्जामा देस्मि प्राप्त आणि स्वाप्त अन्वित अर्लाजा आप्राप्त देस्मि प्राप्त जल्मा अर्माज अप्रमान कर्न, प्रसादन वाष्ट्रज्ञ देश्लामक रिम्ल के अन्ति कर्न, प्रसादन वाष्ट्रज्ञ देश्लामक रिम्ल के अन्ति कर्न, प्रसादन वाष्ट्रज्ञ देश्लामक रिम्लि

sr. धामक and:

जल्म भाष्य खानी एमम विडिन्न प्लाका, लार्ज, मान् अवाजिन जान जीविन डेन्द्रिम ड जेन्द्रिम्म प्रायास्थ्य प्राया वाँक । शाभिमेक भाष्य अव आर्था व्याक आर्थी शाभिकेन या छाज्ञान ड अव आर्था व्याक आर्थी शाभिकेन या छाज्ञान ड प्राथम वा जल्म जल्म खानी । मिनीम जानिन प्राथम वा जल्म जल्म खानी । मिनीम जानिन भाषक रल जम्म खानी जल्म प्लावा ड मान् भाषक रल जम्म खानी जल्म प्लावा ड मान् या आर्थिक भाषन एध्या वाँक अवाजि विद्यु किया जमा एकोन भाषन एध्या वाँक भाषना।

या. विष्याज्य जानी:

জিদ্ধান্ত:

पूर्व आ (अव अव) (वाव अस्त्र । का स्वा अग्निए जल जा जान प्रम प्रस्त । अर्व प्रमा का वाल अवाव स्मिन । पृष्टिण जल प्राध का वाल प्रमां का प्राधा पि ए पा (व । वा अन सा जा ल प्रमां जल जलवा थिए पा (व । वा अन सा जा ल जा रिश्व जलवा थिए पा (व । वा अन सा जा ल जा रिश्व जलवा थिए पि (व व व व व व व व व प्रमां । जा थे आ (अव सा वा व व व व व व व प्रमां । भ्रा का भ्रमां अवादि भ्रमां प्रमां করানো বন্ধ কর্তে হবে। প্রাক্তি শ্লেস্ম জল প্রক্রাবে নামতে দেওসা মাবে না।

শুর্র তালপুরুর নম , প্রাকৃতিক শ্রির ওালর আদর্শ বাদ্ভুতন্ত সভল রাগ্রতে মেকোনো প্রক্রার কোই মত্র ও মথামথ তাবে ক্বথার কারা উচিত

PROJECT REPORT ON POND ECOSYSTEM

DEWAN ABDUL GANI COLLEGE

Harirampur, Dakshin Dinajpur

Submitted by

NAME : MAMPI PARVIN

ROLL NO : 440

REG NO : ENVS

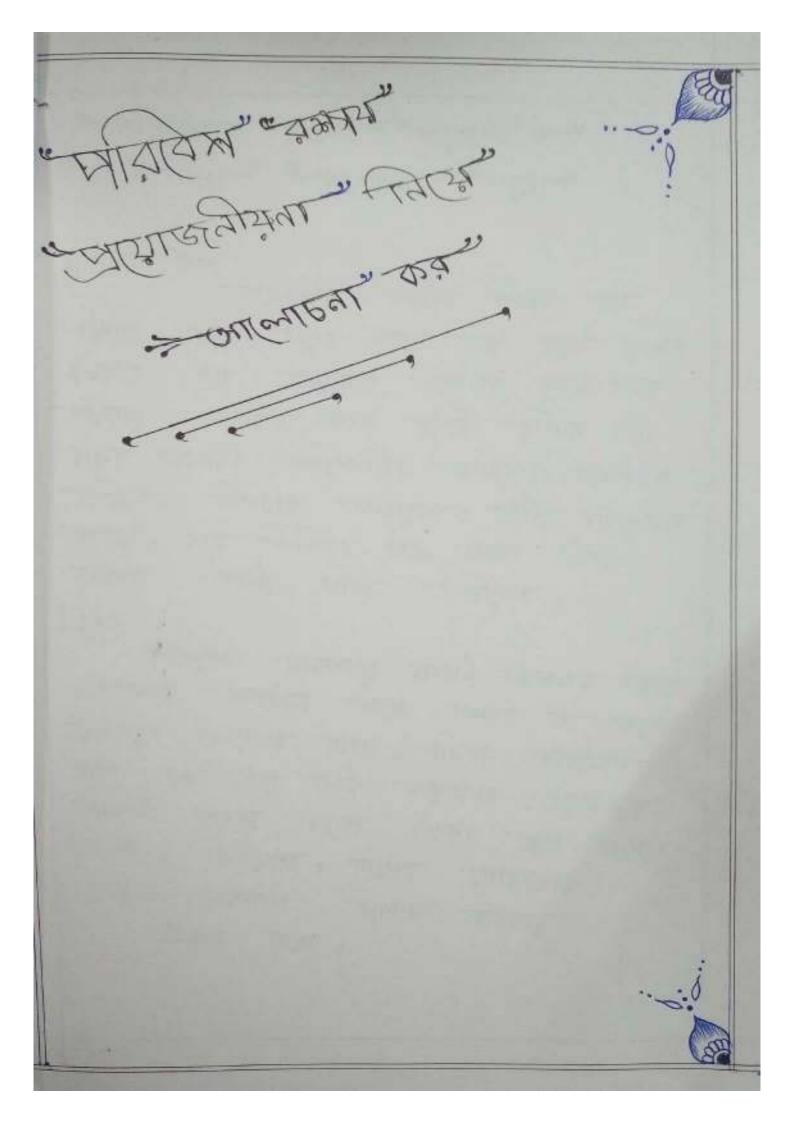
Under The Supervision of: Dr Md Ismail. Assistant Professor in Geography

January, 2023

Department of Environmental Study

Dewan Abdul Gani College, Harirampur

Dist Dakshin Dinajpur, 733125



त्याधीया तत्याश्वामा त्याहिता त्याहिता व्याहिता व्याहिता

अधिका कार्य कार्य क्षित्र क्षा कार्य क्षा कार्य कार्य

क्षित स्वकृत्म स्थान व्यवकृत्म स्थान क्षित्र क्ष्यां ।

क्षित स्वकृत्म साधि कार्य क्ष्यां क्ष

के नार्याभारा शिवेष नार्या नार्याप्रव न्येकामा ए महेल व्यक्तिंव का द्विताक्षित न्माश्चीविधान गर्वशाह लात्त्र ज्याचि । वर्णाव रिव्याल नाश्चितिका काश कार्यातिक नापुराद्वित आक्षा नव्ही गुल्झ दिलामाना जारियाह स्थादिक तथा तथाहै रमिलाहा - स्वाहम न्या है। ने ने न्या निया प्राण्णहा आञ्चामहा के हिएयुव किन्न जिल्लाभ त्वीव नुकाशास्त्रीय । 1.3.1 = व्यायानिया = माह्यवाभाव = व्याक्रिका := व्याभाग्रेक लाहीका व्याकात्रक माप वीमड ভাতিম তাপ্ত কর্মানি পাথিকা कार्यकेषां या त्याक्रिक कार्धिक्टा नाद्रीरं गारे-नामा द्वाद यधि । त्रावृह्मीश नम् - न्याहा न्युपा काहाद रामीहा जारकेला नाहार्वकत काहाद प्यम् कीरितामक ए ज्ञामार्थितेक माद्य ज्ञापारिकेल त्तांच बेक्संघ अधिर। तेराता नाववारेश के अध नामहाताहा दितिं।, जाला ग्रीतहा चावअह केजामे। न्यार्थिताश्च प्रमात् हास्टि। ज्ञार स्मार्थिता -त्यालाचुवा वाशाहा - लाह्णणा नलही क्याहा -लाशिविधां नुस्कारी - लाहेर । ता नुस्कारिक नार्शिक कार्गुड़ा ६ नार्शिकारत्व कार्यश्रिक क्षात्व कीवाला केला के विशेष अभीता विशेष

1.3.2 भीताल भागा । प्राचित्र (क) (भण्णीं - नार्शाहिश - तम्माहिश - लास्ति त्याकाल्य -याश्चितिव्याध्य अनुवार्थ क अनुवार्था क अनुधान व्यक्तिक्य निर्मात अधार अधिक अधिक अधिक न्यत्रेम - जाने अधार आदि । - हाथ - हाथ-टापाकीखंड सार्वामी ज्याप्यांसाहड स्थित ज्यापुरेत नद्भार नाहर नाहर भाषा न्याहर न्श्रह लिनीए नीर्व ए एमझ रेजिन काम्राल न्यापु त्रवाधिय प्रित त्याक्ष्यण्यावा स्राप् न्यदि। ज्याक्शावाश हाभाशाया भारत क कीश्याम -वीवज्ञाश्चित त्मीम नुवाद्धा नुवाद्धा न्विधाकशुरी-न्धिरेशकर आधा आदि। त्यामा न्याद्वीयाचि - अधा नुवधाल - व्यवन्धाय - दीक् अध्य । ज्यानुस्त नेवा काश्याक्त याधिय मार्थिश दिवासिक नेक्त नाष्ट्र , जानामक न्याना निवान नेम्हिं। आश्चीविभिक्ष अनुस्मितिष्ठ क्यो दिभीम क्यो हाथा ्रातिकार , क्षांक्यार , न्याक्यार , न्याक्यार , जात्म नाज्ञता - जाक्षांच - नाजाना कर्माहा नावात जालकी। ज्या नान जाना जाना का नीन

न्त्रमाहित कार्या न्यान त्या न्यात होते वाह्न न्यानाहित होगान जार्या न्यान होते वाह्न

(रा) - जार्स्काखिक - जार्सिन - जार्स्काखिक जगर्म लाकालक न्यानीकम क न्यानिक कार्याके नवलामिक क्षित्र क्षित्र ने विश्वीतिक क्ष सोहोर काम्य केरणम भमी वाया डीहे। ्याभेनीत वाश्र ए वल्रहाडी विनिर्मात रेणात न्याता । स्राप्त जातानिक त्यातात व्यवशता भागत जारीसाश्च क स्थाहि या अधिति आधिशादा न्यति क्षिणकार स्थीय न्यायाने विकासिनाः ना भगाविद्याला ए वह वह भाश्यात वर्ण क्षेत्री - क सम्भाष्टि नुलीकरुल केलाम न्याधिक न्याधिक निमानमूर न्हार्द्ध। जाना एसाले ए प्राधिनीव नाष्ट्राधात रेलत सावात वाले के नाम समें अद्भा काल कावहारिया ए दिशहिक गाहित ्विंशाध नाश प्रमुत नाति पावे - अवावेप न्यास नुपरा अस । न्हणीय वासेश्वाहरू ताई न्योक्षिद्ध - लाधनाटा द्यीर गरित। त्याकालेक नाशिविभाश - लाध्यत्विध - हार्गेल - लापकी विभाव स्क्रीय मार्किक्ष्य किया । देवा स्क्रिक्षिण

ूक - अधाराधीय अधिशक्ष क्षियाका यातेर। नाभीयमा निवासीकिक क्षिण्डा नाहित कार्या है। न्याप्तित यावशास्त्रत न्यास्त्राचीला न्ट्रेल्याहारा जिल्ला एनना प्रिक्ट प्राचीरी एएएस खरा निष्य नाहा नाहा हाता निष्य नार्धिन नार हार्मे एक जिल्ला स्थित यांची ला कारी स्थापन स्थापेक - विश्वा विश्वावीत - जासिद त्ये क्रीलात ज्योगायत -काम्या आहम के कार्य मार्थ व्याप्त कार्य न्याया व्याप्त नम्भार्भ निर्देश न्याधावा त्रीय चीप अदि। व्याक्ष्य व्याचार्य । मार्थिया न्याक्ष्या न्याक्ष्या निवारित नाई नाम क्रीमुचीरा साक्ष्मिक निकालीय न्याझेतिला द्वासा हासीता गाम न्यातिक स्थानिक मुध्या न्याति। भाष न्यायात्रक अदि। न्या भिष्णाणीय न्यान्युधि सकाम धामिविर -ला श्रीविभात त्वात्रका भी त्याता त्याता त्याता নিবরত আকার অরাগ্রাল দেয়ের ব্যাহা আগ্রাচর सकिष्य सेने क संभाद्य श्रीवय जालिय प्यार्ग प्रोभेनीहा न्याम नाष्ट्रामहा प्रोभेनीता वसवाद्भित्व चेल्लाकी कात्व लाधाव वला आहर्ष व्याप विश्व 1.3.3 - ज्याद्मालक - ना त्रीतमा - द्वाना केवार Grantos Civil - Boeieta Shirting 3= त्यावगढ़क न्याबीका अपग्रह उसी सामाधका

किया कोष्या कार्याचा न्यायाचा न्यायाचा न्यायाचा -जनातिमाओ क्षात्राचा - लाणहा वाद्यांत क्षाता निहारता सिहारिय सम्मित त्यास या अधा न्मावहार हा प्रकार , या एडा न्यामा नाम -लाक्षेत्राहा - लाहाइक्षे जाहा जाइ जाला ला -कार्म राजाहरा नाइ कार्य नाजाहर प्राचित न्ध्रवारा ए र्याना नार्यकारा वाहार लार्यारेक अस्तिरेन ाइदार प्राप्त हालीक किल्लाह हिंदााय कार् -आभिहास के विश्ववाहास्य नेकिन काम मा ए जावछवा प्राणाश जा पार्मावेश यावशाव वाहा खन् जनारि तार्ण कार्य क्रिक्र बाह्या भावाशाहा लागहिता नाशिष्ठ । त्युनाहित नाए न्याशहार क्रायावे क्रिकाश में से प्रायानाम न्याशिका श्रीका जालार जाती कार्य कार्य । होट होड़ाहे प्रमण कर्षांद्राह नाकार

न्ध्राक्राक्त = = आहेत्वम = न्त्रमात्र व्याप्त्र व्याप्त्र = क्षाक्राक्त = क्षाक्र =

मादम्पिक की नवमागरी भागाना है। मानावार कार्यानावार - पास्त्रहार ए स्थान वन्त्रात्र नार्त्वात्र - अक्राव्हा - भारापम हाने राज्याव नाहुत । -व्यक्तिमा हा उम्मेटर - व व्यक्तिमान व्यक्तिमान न्ध्रायि जला कार्यात्र आर्यामकाराम् न्यात्रामकाराम् न्या -हारावाहि , -जारावित नेपार प्राप्ति । कार्णावाहिकारान - शार्ष नागर - ७ साउगाधारे नेपान नामा -ध्याप्राण्डा -व्याजीयम आभा आधा । - जार्य कार्यातम् कार्यातम् अवस्त - स्मार्थन नाम - न्याह्म नामार , न्याहम - न्याहम र्वाहम नेजाम रेजाने नाज पन् जाताताता प्रकारका क्राशिका होता क्रीहित क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र नामां काराता कीट नामान शामान हामान की नामान हामान -१ वर्ष - अभार्भ, - उत्तरवाश्वाल वर्गाला विश्वा नाह के नायकात वर्गायों के कामार दिया अत व्यावाध - स्थीप - ज्यावि व्यावेशक्य - आशिका न्यामक धा नकी दिस बोमाधिक हास् ७ अधकाशिक जीका वीवल्या प्राथम क्यां -रीव। 1.3.5 - त्यार्थाख्या - लाधियान न्याप्तिन - कार्यका कुरा - स्थापिक कुराही - स्थारी कि कार्याध्यात क्षित्यात्र शाकात्रीक न्यादियात्र न्धारिक्ष नामका । य निकारिक व्यक्तिक वाशामिक

- ज्यातिकातिक सामारिक सामारी । सिक्योरे सकाप न्याविभार कामीशिय क्या न्याविभाक्त स्थाव - क सो त्राक्षा प्राचित का अधार का मिला का निकार न्हाश्वर्धात्रा विष्ट हाहारिक क्या नविष्ट प्रवेषवारी निधात्त्री क्यो क्षाश्चाना लामक वस्ति डीव। रिवाध आर्ते काव - वार्थिवाविता अर्थ मुद्राल मार्थ - ज्यान स्थार जीत जीवासन - देश के देश के -स्मेम् धा याद्यीत जाशि दरमणीय प्राप्त साम्मेश -वीव । - हमारेश्वर - निमारेश - नमार - नमारे - कमारेश -ल्यावियामा न्याले कारेक अक अधुर क्यारि -वार्व र्पाएश्राह्म -लग- लगी- जाने कार्डा नुमारित जीशिक जांचीया जांचीया न्यांचिक क्षित्राभी त्या और। व्यक्ति न्यापुर्व - (2) हेरि - कार्यातिकार कार्याहर - त्यो नारे पारिकारी - त्यारी क्या विष्टारी अर्थ अर्थ मिलक निष्मित्रक त्वासिक्राक्त स्थामिक स्थामिक -त्यें रमक्ता -हाह्य में क्षार क्रीय क कामिहाना के का हो। का - न्याकामा - न्याकार्य न्याकार्य - न्याकार्य रामग्रहा कथा ज्याविकारिक त्यम- वामी -व्याद्वार - व्यादार्व - व्यादावा - व्याद्वाची व्याद्वाची -- त्रेम्मका में केम्प्रका - ल त्राह्मीक्षेत - लिलारी

- स्राधानीत स्थान व्यक्त । व्यक्ति । व्यक्ति स्थान वास्ति । व्यक्ति व

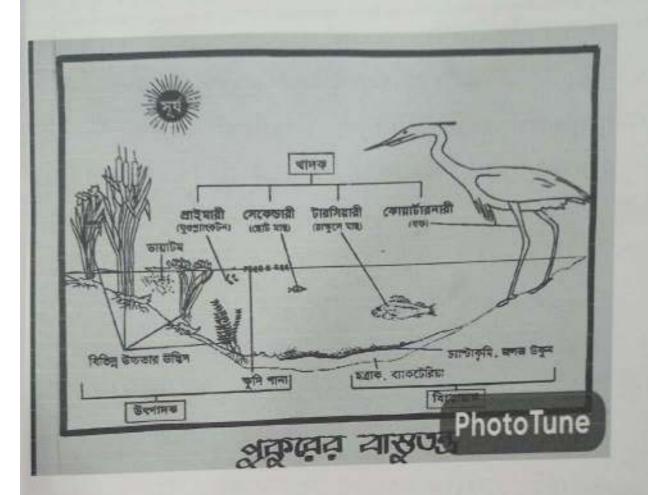
<u> चिल्लान क्षात्र</u> ह

खान्ते न्यार्थियम न्यार्थियय न्यार्थान नववामा न्यार्थ। ज्यार्थावक न्यार्थिका त्यर्थाव्य माध सार्वाम क शासे जात काविष्य -आहेबाइटा - लाधनेश- वार्ध आस्त्रीत - ह नोकि शुक्रि नुक्तिहराया क्षेत्र कार्यह । आहे--output talk Levent 3t2 1 2151 -- १८१५ - १६१५ महार नाहक मार्क मार्क न्याहार्याक्ष राष्ट्रा न्याह्न । हाहि । हाहि नाह्या भारता where the sof sevent - कार जारा के रैवाश्यात नुप्रतिसम्पाय हास्त्रीयम् अप्ता अस् - क्यायान्त्र र्याश - व काल्याया न्यायान्तर् व्यक्ष्मध अदि। त्रणीय वेगके क धामुंजन -छीन्ति - लाग्रहा। डाडील - लाग्रीनम केटण्य-

स्थानी डामम वर्षित - र्डाव ।

स्थानी डामम वर्षित - र्डाव ।

स्थानी स्थान स्थानी व्यक्ति न्यानी क्षेत्राच्या व्यक्ति । व्यक्ति व्यक्ति



PROJECT REPORT

ON

POND ECOSYSTEM.

DEWAN ABDUL GANI COLLAGE

Harirampur, Dakshin Dinajpur

Submitted by

NAME: MENDIL ISLAM

ROLL NO:268

REG NO:

SUBJECT:

Under the supervision of:

Dr Md Ismail.

Assitant Professor in Geography

January,2023-01-28

Department of Environmental study

Dewan Abdul Gani Collage, Harirampur

Dist.Dakshin Dinajpur,733125

-: প্রকরের ব্যাপ্তরে :-

प्रमान :- प्राण्यक कीन जोंच निष्ठाल लान्ति नापाला लान-तम अपीत प्राण प्रमान कार्ति लान्ति नापाला कार्यक नामित्र हिलामान कार्ति मानित मानित लाग्निक स्थानिक निर्माण । जाने नामित्र केर्यामान अपीत लाग्निक स्थानिक मानित सिर्माण क्रम क्रमा अपीत कार्य लाग्निक स्थानिक मानित सिर्माण क्रमानित कार्यामा क्रमानिक स्थानिक स्थानिक निर्माणकर हिल स्थानित स्थानिक स्थानिक स्थानिक विद्यासिक निर्माणकर हिल स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक विद्यासिक विद्यासिक निर्माणकर हिल स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक विद्यासिक विद्यासिक निर्माणकर हिल स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक विद्यासिक विद

निम्हा प्रामाण निम्हा निम्हा

Strahler and strahler or Garas garrer (1976) स्त्रम भारत । सेव्यामहान कार क्यारी स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण क्षेत्राक्षामित्र अभिकास कार्य है। कार्याक नायुक्त महाराष्ट्रामित्र -: वाधुनायन रेवारहाम:-नाष्ठ्रक ना इत्यामितिक धर्मात्रक व निया प्रवाहत राष्ट्र-सिक्षा क्रिक क्ष । 21211 - वनकीय क्षण या व्यापार्मिक मायुक्त का पंकारता द्वान कीत प्राक्ष प्राक्षाम प्रधातम प्रधातम व्राम : ATYSUST EATTERN (Fee System) उस्मेन क्ष वा आवस्मितिक क्षेत्रमध्य यह व्यक्ष्मिक अपित्र च्याचित्र विक वर श्रीसार्ट्स 10 MAIN जिल्ला विशेष CYMPA MA चंद्रभा West Sitte -Suzanan Parpara राज्य अध्य (Papura) ख्य खतोत<u>ा</u> CELLUL STIEGO CONTURATE RUFFA (अर्थः स्थान) (अग्रान्सि) (zercetal)

कार्या के कार अधिमान के स्थामान कराति का अधिमान कराति का अधिमान कराति का अधिमान कराति का अधिमान कराति कराति का अधिमान कराति क

सामिक (consumer): - नायका का नामिक का नाम असे। अका - विकास का नाम का ना

(i) खन्नाम अत्रे नाहक (Primary earsomen):नाम् अत्रे प्राप्त कार्य प्रिक स्थि नाह्य कार्य क्ष्य हाम्य स्थान
प्राच्या हात्र निरंबनीय छाह्य (क युगा मूर खन्नाम अत्रिन
हार्या । चर्त्य कार्या अत्रिन सह वाह्या (क युगा मूर खन्नाम अत्रिन
हार्या । चर्त्य कार्या । क्ष्या कार्या । क्ष्या । क्ष्या (क्राया कार्या क्ष्या

क्रियाम निर्मा क्षित्र हामिक। (ii) निर्माण क्षित्र हामिक। इत्या क्षित्र क्षित

(iii) रेशिय स्वार हामक (Tendang consumen):- मा स्वार स्वारिक स्वारिक

राम्मार्थ क्रीन्य कार्या कार्



मिकः अवस्याः नायुक्तः

अधिका महस्र अव ।

दृष्टिम त सम्मित स्वामित स्वामित दिल्ला अस्मिलिया ।

दृष्टिम त्रित्त प्रामित स्वामित स्वामित क्रमित क्रमित आमे । उहण्यम् व्यक्ति अस्ति प्रामित स्वामित क्रमित क्रमित अस्ति । उहण्यम । त्रामित व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति विवक्

मिनारिय कार्रात कार्रात कार्या कार्य

च नायुग्यात्व श्वितिकारः च

मानावार कार्यात्रक वर्षायात्रक कर्तावार अवस्थित

ने नार्य अध्या कारिक क्षित्य प्रेश्म ज्या एक्तिक की

- उन्मान कार्यात कार्या
- 4. क्ति क्रकार ते खाद जिला जी कर्न अमितिक क्रिया द्वार अस्ति।
- 5. बायुग्रं किया कार्य कार्याय के विक्रा क्षा कार्य कार्य